उत्पादक :
अजिंक्य केमटेक प्रा. लि.
स.न. १३७, देवाची उरुळी, ता. हवेली, जि. पुणे
Customer Care No.: 020 25677605
ISO 9001:2015 ✦ ISO 14001:2015 ✦ ISO 45001:2018

इकोसील – जी™

(जैव निस्सारित ग्रैन्यूल्स)

सिलीकॉन, पोटेशियम ह्युमेट,सी वीड का निचो ड ।

ECOSIL-G™ (जैव निस्सारित ग्रैन्यूल्स)

इकोसील–जी सिलिकॉन पर आधारित ग्रैन्युल है । सिलिकॉन के अलावा इसके अंदर आवश्यक (essential) अमिनो एसीड्स समुद्री घास जैसे तत्त्व हैं जो पौधों के सर्वांगीन विकास के लिए आवश्यक होते हैं।

प्राथमिक, द्वितीय और सूक्ष्म पोषक तत्वों के अलावा पौधों के विकास के लिए सिलिकॉन की भी आवश्यकता होती है । इसलिए उसे उपयुक्त पोषक तत्व कहा जाता है। सिलिकॉन फसलों की अच्छी पैदावर के लिए तथा अच्छी बढ़वार के लिए मददगार होता है। मृदा क्षरण (Soil erosion) होने की वजह से और एक साल के अंदर २–३ फसलें लेने के कारण भूमि से सिलिकॉन की मात्रा कम हो जाती है। अच्छी पैदावर के लिए सिलिकॉन की पूर्ति किया जाना जरूरी होता है। सिलिकॉन अन्य महत्त्वपूर्ण प्राथमिक, द्वितीय और सूक्ष्म पोषक तत्वों को पौधे को उपलब्ध कराने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

ENVIRONMENT FRIENDLY

NO HARM TO NATURE

इकोसील – जी™

(जैव निस्सारित ग्रैन्यूल्स)

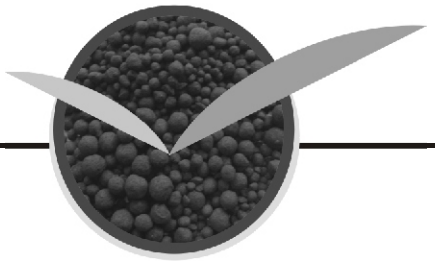

फायदे :

१. इकोसील–जी को उपयुक्त पोषक तत्व कहा जाता है।

२. गन्ना, धान (और अन्य घास वर्गीय) जैसी फसल में इकोसील–जी युक्त खाद देने से पैदावर में २० प्रतिशत तक बढ़ोतरी होती है।

३. इकोसील–जी का उपयोग करने से पौधे सीधे बढ़ते हैं और जमीन पर गिरने (Lodging) की मात्रा कम रहती है। जिससे पौधों की बढ़वार अच्छी होती है और पैदावर में बढ़ोतरी होती है।

४. इकोसील–जी के उपयोग से पत्ते सीधे हो जाते हैं, की मोटाई और फलों की संख्या बढ़ती है और वजन बढ़ता है।

५. इकोसील–जी के उपयोग से झुलसा, रतुआ जैस जिसके कारण फोटोसिंथेसिस बढ़ता है और पैदावर भी ।

६. इकोसील–जी के उपयोग से पौधों की उँचाई, तनी बिमारियों के प्रति पौधों की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

७. कीटों (तना छेदक) तथा मकड़ियों से पौधों का संरक्षण करने में मदद होती है।

८. मिट्टी में मिनरल और मेटल्स की अधिकता के कारण फसल पर होने वाले दुष्प्रभाव को इकोसील जी रोकता है और फसल का संरक्षण करता है।

९. इकोसील–जी की वजह से बाष्पीकरण की दर घटती है। जिसकी वजह से अकाल की स्थिती (पानी के अभाव) से फसल का बचाव होता है।

१०. तापमान की अनियमितता से भी पौधों का बचाव होता है।

११. फॉस्फरस की कमी की वजह से पैदावर घटती है। इकोसील–जी के कारण फॉस्फरस पौधों की जड़ों से ऊपरी हिस्सो में स्थानांतरित होता है। जिसके कारण फॉस्फरस की कमी होने के बावजूद पौधों में फॉस्फरस की उपलब्धता बढ़ती है।

- इसका प्रयोग बोआई के समय, पौधों की रोपाई के समय, टॉप ड्रेसिंग के समय, फलों के इन्टर कल्चरल ऑपरेशन के समय किया जाता है।
- रासायनिक उर्वरकों के साथ भी प्रयोग किया जा सकता है।

इकोसील–जी की मात्रा और प्रयोग का समय

फसल	प्रयोग का समय	मात्रा (प्रति एकड़)
सब्जियाँ – टमाटर, मिर्च, भिंडी, प्याज, लहसून आदि...	फूलों के खिलने के समय	५–१० किलो
सभी वेलवर्गीय	रोपाई के बाद ३० दिन के अंदर	५–१० किलो
गन्ना, धान, गेहू	रोपाई के बाद ३० दिन के अंदर	१०–२० किलो
अंगूर, स्ट्रॉबेरी, आलू	रोपाई के बाद ३० दिन के अंदर	५–१५ किलो